Letter no. 285 / Addl. Dir., Commercial Tax Officers Training Centre / 2024-2025 / State Tax

Office of The Commissioner, State Tax
Uttar Pradesh, Lucknow
Dated : June 04, 2024

All Officers and Employees,
State Tax, Uttar Pradesh.

As you all know that we are celebrating World Environment Day on June 5, 2024. World Environment Day is the United Nations day for encouraging worldwide awareness and action to protect our environment. The theme of World Environment Day 2024 is **'land restoration, desertification, and drought resilience'**. World Environment Day is celebrated to raise awareness and promote environmental conservation. India and the world is witnessing a sharp rise in the global temperature in the recent past.

Hon'ble Chief Justice of India D Y Chandrachud along with a three member bench of Hon'ble Supreme Court opined in the judgement of Vedanta Limited vs. State of Tamil Nadu and Others that :-

"It is an undeniable and fundamental truth that all persons have the right to breathe clean air, drink clean water, live a life free from disease and sickness, and for those who till the earth, have access to uncontaminated soil. These rights are not only recognized as essential components of human rights but are also enshrined in various international treaties and agreements, such as the Universal Declaration of Human Rights, the Convention on Biological Diversity, and the Paris Agreement. As such, they must be protected and upheld by governments and institutions worldwide, even as we generate employment and industry. The ultimate aim of all our endeavours is for all people to be able to live 'the good life.' Without these basic rights, increased revenue and employment cease to have any real meaning. It is not merely about economic growth but about ensuring the well-being and dignity of every individual. As we pursue development, we must prioritize the protection of these rights, recognizing that they are essential for sustainable progress. Only by safeguarding these fundamental rights can we truly create a world where everyone has the opportunity to thrive and prosper."

Also said that "In the urgent battle against climate change, finding sustainable solutions is paramount. While efforts to reduce carbon emissions are crucial, it's equally essential to actively remove carbon dioxide from the atmosphere to combat climate change effectively. The State must act as a steward of the environment, ensuring that the common resources necessary for the well-being of the populace are protected against exploitation or degradation. These principles underscore the importance of balancing economic interests with environmental and public welfare concerns. In the ultimate analysis, the State Government is responsible for preserving and protecting their concerns.

The concept of intergenerational equity, which suggests that "present residents of the earth hold the earth in trust for future generations and at the same time the present generation is entitled to reap benefits from it."The planet and its invaluable resources must be conscientiously conserved and responsibly managed for the use and enjoyment of future generations, emphasizing the enduring obligation to safeguard the environmental heritage for the well-being of all."

We, the family of State Tax Department UP and as a citizen of earth are supposed to put in our sincere effort to protect the environment. To commemorate the world environment day this year each one of our department shall plant at least two trees. The hybrid varieties (which are good for health and grow faster) of Neem, Peepal, Banyan, tamarind, Bael, Amla, Mango etc. may be chosen for this purpose. The place of plantation shall be the place where they are genuinely needed e.g. Roadsides where there is concrete jungle. People are required to post their selfies bearing their name, designation and place of posting on **trainingcenterctd@gmail.com** Best selfies will be awarded with appreciation certificate accordingly as per set principles.

(Ministhy S.)
Commissioner
State Tax, UP
Copy to : J.C. (I.T.), State Tax, HQ, Lko to upload on departmental portal.

पत्र संख्या : 286 / अपर निदे०, वा० क० आयु० प्रशि० संस्थान / २०२४-२०२५ / राज्य कर

कार्यालय आयुक्त, राज्य कर,
उत्तर प्रदेश।
दिनांक : 04-06-2024

समस्त अधिकारी व कर्मचारी,
राज्यकरविभाग, उत्तरप्रदेश।

जैसाकि आप सभी जानते हैं कि हम 5 जून, 2024 को विश्व पर्यावरण दिवस मना रहे हैं । विश्व पर्यावरण दिवस एक संयुक्त राष्ट्र दिवस है जो हमारे पर्यावरण की रक्षा के लिए विश्व व्यापी जागरूकता और कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के लिए मनाया जाता है । विश्व पर्यावरण दिवस 2024 का **विषय 'भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा लचीलापन'** है । विश्व पर्यावरण दिवस जागरूकता बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है । भारत और दुनिया में हाल के दिनों में वैश्विक तापमान में तेज वृद्धि देखी जा रही है ।

भारत के माननीय मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय की तीन सदस्यीय पीठ के साथ वेदांता लिमिटेड बनाम तमिलनाडु राज्य और अन्य के फैसले में कहा: -

"यह एक निर्विवाद और मौलिक सत्य है किस भी व्यक्तियों को स्वच्छ हवा में सांस लेने, स्वच्छ पानी पीने, बीमारी से मुक्त जीवन जीने का अधिकार है, और उन लोगों के लिए जो पृथ्वी पर खेती करते हैं, उन्हें बिना दूषित मिट्टी तक पहुंच प्राप्त है । इन अधिकारों को न केवल मानवाधिकारों के आवश्यक घटकों के रूप में मान्यता दी गई है, बल्कि मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा, जैविक विविधता पर सम्मेलन और पेरिस समझौते जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संधियों और समझौतों में भी शामिल किया गया है । जैसे-जैसे हम रोजगार और उद्योग पैदा करते हैं, वैसे-वैसे दुनिया भर की सरकारों और संस्थानों द्वारा उनकी रक्षा और समर्थन किया जाना चाहिए । हमारे सभी प्रयासों का अंतिम उद्देश्य सभी लोगों के लिए 'अच्छाजीवन' जीने में सक्षम होना है । इन बुनियादी अधिकारों के बिना, राजस्व और रोजगार में वृद्धि का कोई वास्तविक अर्थ नहीं रह जाता है । यह केवल आर्थिक विकास के बारे में नहीं है, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की भलाई और गरिमा सुनिश्चित करने के बारे में है । जैसे-जैसे हम विकास को आगे बढ़ाते हैं, हमें इन अधिकारों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए, यह मानते हुए कि वे स्थायी प्रगति के लिए आवश्यक हैं । इन मौलिक अधिकारों की रक्षा करके ही हम वास्तव में एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जहाँ हर किसी को फलने-फूलने और समृद्ध होने का अवसर मिले ।

यह भी कहा कि "जलवायु परिवर्तन के खिलाफ तत्काल लड़ाई में, स्थायी समाधान खोजना सर्वोपरि है । जब कि कार्बन उत्सर्जन को कम करने के प्रयास महत्वपूर्ण हैं, जलवायु परिवर्तन से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए वायुमंडल से कार्बन डाइ ऑक्साइड को सक्रिय रूप से निकालना भी उतना ही आवश्यक है । राज्य को पर्यावरण के संरक्षक के रूप में कार्य करना चाहिए, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जनता के कल्याण के लिए आवश्यक सामान्य संसाधनों को शोषण या क्षरण से संरक्षित किया जाए । ये सिद्धांत पर्यावरण और लोक कल्याण संबंधी चिंताओं के साथ आर्थिक हितों को संतुलित करने के महत्व को रेखांकित करते हैं । अंतिम विश्लेषण में, राज्य सरकार उन की चिंताओं को संरक्षित और सुरक्षित करने के लिए जिम्मेदार है ।

अंतर-पीढ़ीगत समानता की अवधारणा, जो बताती है कि "पृथ्वी के वर्तमान निवासी भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को संरक्षित रखते हैं और साथ ही वर्तमान पीढ़ी इससे लाभ उठाने की हकदार है । "सभी के कल्याण के लिए पर्यावरणीय विरासत की रक्षा करने के स्थायी दायित्व पर जोर देते हुए, भविष्य की पीढ़ियों के उपयोग और आनंद के लिए ग्रह और इसके अमूल्य संसाधनों को ईमानदारी से संरक्षित और जिम्मेदारी से प्रबंधित किया जाना चाहिए।

हमें, उत्तर प्रदेश राज्य कर विभाग के परिवार के प्रत्येक सदस्य को पृथ्वी के एक नागरिक के रूप में पर्यावरण की रक्षा के लिए अपना ईमानदार प्रयास करना चाहिए । इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के लिए हमारे प्रत्येक विभाग को कम से कम दो पेड़ लगाने चाहिए । नीम, पीपल, बरगद, इमली, बेल, आंवला, आम आदि की संकर किस्में (जो स्वास्थ्य के लिए अच्छी होती हैं और तेजी से बढ़ती हैं) को इस उद्देश्य के लिए चुना जा सकता है । वृक्षारोपण का स्थान वह स्थान होगा जहां उन्हें वास्तव में रोपित करने की आवश्यकता है । उदाहरण के तौर पर सड़क के किनारे जहाँ कंक्रीट के जंगल है । सभी को अपना नाम, पदनाम और पोस्टिंग के स्थान के साथ अपनी सेल्फी **trainingcenterctd@gmail.com** पर पोस्ट करनी होगी । सर्वश्रेष्ठ सेल्फी को निर्धारित मानकों के अनुसार प्रशंसा प्रमाण पत्र के साथ सम्मानित किया जाएगा।

(मिनिस्ती एस०)
आयुक्त
राज्य कर, उत्तर प्रदेश।

प्रतिलिपि संयुक्त आयुक्त (आई० टी०), राज्य कर, मुख्यालय, लखनऊ को विभागीय पोर्टल पर अपलोड करने हेतु ।